एक नजर में

इंटर-स्कूल क्विज़ में ली समाधान कौशल की परीक्षा

इंदौर. एसवीकेएम के एनएमआईएमएस इंदौर कैंपस ने मनोगति नामक एक रोमांचक इंटर-स्कूल क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया. कार्यक्रम में 15 स्कूलों की भागीदारी रही, जिसमें 50 से अधिक टीमों ने बहु-स्तरीय प्रारूप में हिस्सा लिया. इस प्रतियोगिता में ज्ञान, त्वरित सोच और सामूहिक समस्या-समाधान कौशल की कड़ी परीक्षा ली गई. प्रतियोगिता की शुरुआत लिखित एलिमिनेशन राउंड से हुई, जिसमें टीमों ने स्क्रीन पर प्रदर्शित सावधानीपूर्वक तैयार किए गए प्रश्नों के उत्तर दिए. इस प्रारूप में बहुविकल्पीय प्रश्नों के बजाय वर्णनात्मक उत्तरों को प्रोत्साहित किया गया, जिससे समझ की गहराई और मौलिकता सुनिश्चित हो सके. प्रारंभिक चरण के बाद, शीर्ष टीमों ने अगले दौर में प्रवेश किया, जहां प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र और रोमांचक हो गई. पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक टीम ने सामूहिक रूप से कार्य किया, जिससे दबावपूर्ण परिस्थितियों में टीमवर्क, संचार और साझा रणनीति के महत्व को बल मिला. प्रतियोगिता के साथ-साथ, प्रतिभागियों को एनएमआईएमएस इंदौर परिसर का भ्रमण भी कराया गया. कई चुनौतीपूर्ण दौरों के बाद, जवाहरलाल नेहरू सीनियर सेकेंडरी विंग, भोपाल की टीम विजेता के रूप में उभरी, जिसने उत्कृष्ट जागरूकता, संयम और त्वरित सोच का प्रदर्शन किया. सत्य साई विद्या विहार, इंदौर की टीम प्रथम उपविजेता रही, जबकि सनबीम स्कूल, मुगलसराय की टीम द्वितीय उपविजेता घोषित की गई. विजेता टीम को पुरस्कार राशि प्रदान की गई. एनएमआईएमएस इंदौर के निदेशक अंशुमान जैसवाल ने कहा 'मनोगति' जैसे मंच छात्रों को जागरूक रहने, तुरंत सोचने और पाठ्यपुस्तकों से परे ज्ञान के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं.

शिवशाही महानाट्य की प्रस्तुति 27 से

इंदौर. शिवशाही महानाट्य- एक भव्य ऐतिहासिक मेगा नाटक छत्रपति शिवाजी महाराज के अदम्य साहस, दूरदर्शिता और बलिदान की अनसुनी कहानियों को जीवंत करेगा. यह महानाट्य इंदौर में संस्था शिवराय के बैनर तले 27 से 31 मई तक इंदौर के दशहरा मैदान में रोजाना शाम 7 बजे होगा. संस्था शिवराय के संस्थापक सदस्य और आयोजन समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र अड़सुले ने कहा कि शिवशाही महानाट्य केवल एक नाट्य प्रस्तुति नहीं है, यह हमारी सांस्कृतिक चेतना का पुनर्जागरण है. हिंदवी स्वराज्य संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों को जन- जन तक विशेषकर युवा पीढ़ी तक प्रसारित करने के उद्देश्य से महानाट्य शिवशाही का आयोजन किया जा रहा है. छत्रपति शिवाजी महाराज की गाथाएँ हमें यह याद दिलाती हैं कि स्वराज्य और आत्मसम्मान ही हमारी सबसे बड़ी धरोहर हैं. संस्था शिवराय के संस्थापक सदस्य और आयोजन समिति के सचिव रुचिर भोंसले ने कहा इतिहास को जीवंत करने का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा. यह नाटक दर्शकों को केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि गर्व और जिम्मेदारी का भाव भी देगा. इस महानाट्य की सबसे बड़ी विशेषता इसका पैमाना और प्रस्तुति है. इसमें 250 शिवप्रेमी कलाकारों की भागीदारी है, जिनमें टीवी और फिल्म जगत के कलाकार भी शामिल हैं. संस्था शिवराय के संस्थापक सदस्य और आयोजन समिति के उपाध्यक्ष हेमंत मुरमरकर ने कहा दशहरा मैदान पर प्रस्तुत होने वाला यह महानाट्य इंदौर के सांस्कृतिक परिदृश्य को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा. यह आयोजन मराठी गौरव और भारतीय विरासत का अद्वितीय संगम है.

कला जीवन को सुंदर बनाने का एक श्रेष्ठ माध्यम

इंदौर. कला केवल अभि व्यक्ति नहीं बल्कि जीवन को सुंदर बनाने का एक श्रेष्ठ माध्यम है. यह बात कला शिक्षिका अनुपमा दुमाने ने 15 दिवसीय हल्ला-गुल्ला बाल प्रशिक्षण शिविर में बच्चों को कला की बारीकिया बताते हुए कही. इस मौके पर अनुपमा ने रंग और कुँची से सुंदर पेंटिंग भी बनाई जिसे देखकर बच्चे बड़े रोमांचित होकर खुश हुए. उन्होंने आगे कहा कि रचनात्मकता को आगे बढ़ाने का बेहतर जरिया है कलाकर्म. इससे हमारा आत्म विशवास बढ़ता है. बच्चों ने भी बनाई पेंटिंग. प्रवीण जोशी ने बताया कि शिविर के पहले सत्र में नाट्यकर्मी तपन मुकर्जी और सीमा व्यास ने बच्चों को शिविर के समापन दिवस पर प्रस्तुत होने वाले नाटको की रिहर्सल की. शिविर का समापन 16 मई को होगा.

शहर के कलाकार यश फिल्म में कर रहे अभिनय

इंदौर. बॉलीवुड में इंदौर की कई प्रतिभाएं अपना मुकाम बना रहीं हैं. इसी कड़ी में इंदौर का एक और कलाकार बड़े पर्दे पर अपने अभिनय की चमक बिखेरने की तैयारी में है. ये कलाकार है, यश पुरोहित. इसी मई माह में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली फिल्म जीना दिल से में वे अभिनय करते नजर आएंगे. अधीश राणा द्वारा निर्देशित यह कॉमेडी फिल्म दर्शकों को हंसाने के साथ उन्हें सोचने पर भी विवश करेगी. ज्ञात हो, श्रीमती अंजना और सुरेश पुरोहित के सुपुत्र यश पुरोहित का परिवार मूलत: ग्राम पीपली से ताल्लुक रखता है. यश के दादाजी स्व. नाथूलाल पुरोहित की ख्याति अच्छे समाजसेवी के बतौर रही है. यश पुरोहित का कहना है कि आजकल हर व्यक्ति किसी न किसी बात को लेकर हैरान, परेशान और मानसिक तनाव में रहता है. फिल्म जीना दिल से दर्शकों को तमाम परेशानियों को भूलकर ठहाके लगाने पर मजबूर कर देगी.

पूर्व विधायक अश्विन जोशी का अंतिम संस्कार आज

इंदौर. पूर्व मंत्री महेश जोशी के भतीजे एवं कांग्रेस के पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता अश्विन जोशी का रविवार को प्रात: 10 बजे रामबाग मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा. उनकी शवयात्रा निज निवास मार्तंड चौक से रामबाग मुक्तिधाम पहुंचेगी. विधानसभा क्षेत्र इंदौर-3 से तीन बार के विधायक रहे तथा पानी वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध अश्विन जोशी का शुक्रवार को हृदयगति रुक जाने से निधन हो गया था. वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे. उल्लेखनीय है कि उनके राजनीतिक कॅरियर की शुरुआत छात्र राजनीति से हुई. उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में पानी के निजी टैंकर चलाने की शुरुआत की थी. इन टैंकरों के जरिये वे गर्मी के मौसम में पानी बंटवाते थे. इसी वजह से वे पानी वाले बाबा के नाम से भी जाने जाते थे. उन्होंने छात्र संघ चुनाव भी लड़ा था. उनके चाचा महेश जोशी कांग्रेस के वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं में से एक थे.

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी विषय पर वेबिनार का आयोजन कल

इंदौर. माँ कनकेश्वरी देवी शासकीय महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में 11 मई को प्रात: 11 बजे एक दिवसीय वेबीनार भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का आयोजन किया जा रहा है. इस वेबीनार के मुख्य वक्ता डॉ. राजमल कोठारी वरिष्ठ वैज्ञानिक, पीआरएल/इसरो होंगे. इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक विधायक रमेश मेंदोला, संरक्षक डॉ. आर.सी. दीक्षित, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, इंदौर संभाग, इंदौर प्राचार्य मेजर डॉ. संजय सोहनी प्रशासनिक अधिकारी डॉ. स्मिता चैतन्य संयोजक डॉ. प्रगति जैन तथा सह-संयोजक प्रो. साधना सचदेवा हैं. वेबीनार की संयोजक डॉ प्रगति जैन ने बताया कि यह वेबीनार नि:शुल्क है तथा इसका उद्देश्य भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का उत्सव मनाना और विद्यार्थियों में नवाचार एवं वैज्ञानिक दृष्टि को प्रोत्साहित करना है.

मेले और उत्सव होते हैं मेल-मिलाप व सांस्कृतिक एकता के मंच : मुख्यमंत्री

- रजत जयंती वर्ष में सजा मालवा उत्सव
- लोक नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांधा

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर में लोक संस्कृति मंच द्वारा आयोजित मालवा उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। रजत जयंती वर्ष में आयोजित इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने लोक नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मालवा उत्सव केवल एक मेला नहीं, बल्कि मेल-मिलाप, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता का मंच है. हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव आज अपनी रजत जयंती मना रहा है और इसके प्रणेता सांसद शंकर लालवानी हैं. उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि अलग-अलग राज्यों से आए कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विविधता और आत्मीयता को मजबूत कर रहे हैं. मुख्यमंत्री ने उत्साहपूर्ण माहौल का उल्लेख करते हुए कहा कि भांगड़ा, गरबा और अन्य लोक नृत्यों की प्रस्तुतियों ने ऐसा वातावरण बना दिया मानो स्वर्गलोक धरती पर उतर आया हो. उन्होंने कहा कि मालवा की धरती माल और धमाल दोनों की पहचान है.

संस्था को पांच लाख की सहायता देने की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक संस्कृति मंच के रजत जयंती वर्ष के आयोजन की सराहना करते हुए संस्था को 5 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन छोटे कलाकारों, हस्तशिल्पियों, दुकानदारों, ठेले एवं झूला संचालकों सहित अनेक लोगों के रोजगार और अर्थतंत्र को भी मजबूती देते हैं. इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मधु वर्मा, मालिनी गौड़, श्रवण चावड़ा, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा तथा नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे.

रौफ डांस कश्मीर से और पंजाब से जिंदवा की प्रस्तुति

लोक संस्कृति मंच के सचिव दीपक लवंगडे, सतीश शर्मा एवं पवन शर्मा ने बताया कि आज कश्मीर का रोफ डांस जो की फसल काटते समय खुशी में महिलाएं करती है जिसमें रंग बिरंगी फिरन पहनकर सिर पर दुपट्टा डालकर खूबसूरत नृत्य प्रस्तुत किया गया. पंजाब का जिंदवा जिसमें देश में रहने वाली महिलाएं विदेश से अपने प्रीतम से अपने लिए पसंद की वस्तुएं लेकर आने को कहती है और साथ में प्रसिद्ध नृत्य भांगड़ा प्रस्तुत हुआ. विशाल गिदवानी एवं संकल्प वर्मा ने बताया गुजरात का प्राचीन गरबा भी खूबसूरती के साथ प्रस्तुत हुआ. डिंडोरी से आए कलाकार द्वारा धोती कुर्ता जैकेट पहनकर गोंड जनजाति का सेल नृत्य प्रस्तुत किया गयौ. आंध्र प्रदेश का सीता राम लक्ष्मण की गाथा सुनाते हुए गाना गाकर पिरामिड बनाते हुए तमेटागुल्लु नृत्य प्रस्तुत किया गया. वहीं कर्नाटक के कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी यूनेस्को में दर्ज राजकोट का प्राचीन गरबा जिसमें घूम-घूम कर लड़कियां नृत्य करती है शानदार रहा.

रात 12 बजे बुजुर्ग किसान के घर दबिश देकर समझौते का बनाया दबाव

- बाणगंगा पुलिस सवालों के घेरे में, लगे गंभीर आरोप

इंदौर. शहर में पुलिस की कार्यशैली एक बार फिर विवादों में है. बाणगंगा थाना क्षेत्र के 64 वर्षीय किसान जसराज मेहता ने पुलिस पर मानसिक दबाव बनाने और अनुचित तरीके से समझौते के लिए मजबूर करने के आरोप लगाते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में याचिका दायर की है.

फरियादी का कहना है कि पुराने जमीन विवाद के नाम पर उन्हें बार बार थाने बुलाया जा रहा है, लेकिन पुलिस द्वारा बयान दर्ज करने के बजाय समझौता और पैसे लौटाने का दबाव बनाया जा रहा है. जसराज मेहता ने अपने अधिवक्ता के जरिए पुलिस आयुक्त और डीसीपी जोन-3 को नोटिस भेजकर निष्पक्ष जांच की मांग की थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर उन्हें कोर्ट की शरण लेनी पड़ी. कोर्ट में पेश याचिका में आरोप लगाया गया है कि कुछ लोगों के साथ मिलीभगत कर पुलिस एकतरफा कार्रवाई कर रही है. फरियादी का यह भी दावा है कि उनकी बेटी के प्लॉट पर अवैध कब्जा हुआ है, जिसके खिलाफ वे अलग से कानूनी कदम उठाने की तैयारी में हैं.

याचिका में बताया गया है कि 15-20 साल पुराने प्लॉट बिक्री विवाद में एक अज्ञात शिकायत के आधार पर उन्हें बार बार थाने बुलाया गया, जबकि उनका कहना है कि उन्होंने कभी कोई प्लॉट बेचा ही नहीं. 2 अप्रैल और 19 अप्रैल को थाने बुलाने के बावजूद उनका बयान दर्ज नहीं किया. इसके बजाय समझौते के लिए दबाव बनाया जाता रहा. सबसे गंभीर आरोप 20 अप्रैल की रात का है. फरियादी के अनुसार देर रात करीब 12 बजे आठ पुलिसकर्मी उनके घर पहुंचे और एफआईआर दर्ज होने का हवाला देकर गिरफ्तारी की बात कही, जबकि उस समय तक कोई मामला दर्ज नहीं था. उन्होंने दावा किया कि पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड है.

महापौर और आयुक्त ने किया चलो मम्मा वॉकथॉन का शुभारंभ

- मदर्स डे पर जल संरक्षण के संदेश की दिलाई शपथ

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज मदर्स डे पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर निगम द्वारा स्वच्छता एवं जल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के 'चलो मम्मा वॉकथान' आयोजित की गई. महापौर ने उपस्थित महिलाओं को जल संरक्षण की शपथ दिलाई. उक्त वॉकथान में विभिन्न सगठनों की 8 सौ से ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया. वॉकथान नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर डेली कॉलेज से वापस स्टेडियम पर समाप्त हुई.

आज सुबह नगर निगम ने जल संवर्धन और संरक्षण के साथ स्वच्छता अभियान में जागरूकता के लिए 'चलो मम्मा वॉकथॉन' आयोजित की. महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा नेहरू स्टेडियम पर 'चलो मम्मा वॉकथॉन' का हरी झंडी दिखाकर कर रवाना किया. महापौर भार्गव ने उपस्थित महिलाओं को जल संरक्षण की शपथ दिलाई. सभी महिलाओं से जल बचाने एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को संरक्षित रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया. 'चलो मम्मा वॉकथॉन' नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर डेली कॉलेज मार्ग से होते हुए पुन: नेहरू स्टेडियम पर समाप्त हुई. कार्यक्रम में शहर के 25 से अधिक संगठनों की 800 से अधिक महिलाएं शामिल हुई. उन्होंने कहा कि 'चलो मम्मा' शब्द में एक ओर मातृत्व का स्नेह है तो दूसरी ओर समाज को जागरूक करने का संदेश भी समाहित है.

जल संरक्षण के प्रति गंभीर होना जरूरी: महापौर: महापौर भार्गव ने कहा कि नगर निगम द्वारा स्वच्छता के साथ-साथ जल संरक्षण के लिए भी लगातार कार्य किए जा रहे हैं. शहर की बढ़ती जनसंख्या एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति गंभीर और जागरूक होना जरूरी है. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हमारे बच्चों एवं उनकी आने वाली पीढ़ियों को पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो, इसके लिए आज से ही हमें जल बचाने का संकल्प लेना आवश्यक है.

शहर के लिए प्रेरणा का विषय

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि स्वच्छता के साथ जल संग्रहण एवं संरक्षण के प्रति महिलाओं का यह उत्साह अत्यंत प्रेरणादायक है. महिलाएं जल संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभा रही हैं, जो पूरे शहर के लिए प्रेरणा का विषय है. इस मौके अपर आयुक्त आशीष पाठक, द वर्ल्ड ऑफ फिटनेस की आरती महेश्वरी मौजूद थी.

सभी तीर्थों की जननी और अधिष्ठात्री हैं नर्मदा

- खजराना गणेश मन्दिर में नर्मदा चिंतन ज्ञान यज्ञ

इंदौर. मैया नर्मदा का एक बार केवल नाम स्मरण कर लेने से ही सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के तीर्थों का पुण्य फल प्राप्त हो सकता है क्योंकि माँ नर्मदा कोई नदी नहीं, सभी तीर्थों की जननी और अधिष्ठात्री हैं. मान्यता है कि सभी तीर्थों का प्राकट्य माँ नर्मदा के पुण्य प्रताप से ही हुआ है. हम जीवनभर लगातार तीर्थ यात्रा करते रहें, तब भी नर्मदा किनारे स्थापित तीर्थों के दर्शन पूरे नहीं होंगे. नर्मदा किनारे स्थित तीर्थों की संख्या 68 करोड़ 73 लाख 700 से अधिक मानी गई है.

ये विचार हैं नर्मदा परिक्रमावासी आचार्य पं. रविकांत शास्त्री के, जो उन्होंने खजराना गणेश मन्दिर स्थित सत्संग सभागृह पर अ.भा. दादा गुरु परिवार इंदौर नर्मदा मिशन की मेजबानी में चल रहे नर्मदा चिंतन ज्ञान यज्ञ में शनिवार को माँ नर्मदा की परिक्रमा की महिमा का प्रभावी वर्णन करते हुए अनेक रोचक एवं पौराणिक प्रसंगों का उल्लेख किया. कथा शुभारंभ के पूर्व महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ संयोजक समाजसेवी राजेंद्र बंसल एवं नित्यम बंसल, भागवताचार्य पं. पवन तिवारी, मालवी भाभी के नाम से प्रख्यात प्रतीक्षा नय्यर, राजेश शर्मा, देवांग शर्मा, नवीन मेहता (बीसीएम), गोपाल अग्रवाल, अमित जिंदल, उमेश अग्रवाल, सौरभ खंडेलवाल, राजेश्वरी शर्मा, इधिका बंसल, ज्योति बंसल आदि ने व्यास पीठ एवं नर्मदा पुराण ग्रन्थ का पूजन किया.

संयोजक राजेंद्र बंसल एवं नित्यम बंसल ने बताया कि 10 मई को देश के तपोनिष्ठ संत दादागुरु भगवान भी इस पावन कथा में सानिध्य प्रदान करने शाम 5 बजे पधारेंगे. भक्तों से आग्रह किया गया है कि वे दादागुरु भगवान के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु सनातनी परम्परा के अनुरूप धोती-कुरता पहनकर आएं. कथा में 10 मई को नर्मदा तट के तीर्थों का वर्णन होगा.

गणेश जी का प्राकट्य खरगोन जिले की हथिनी नदी से

आचार्य रविकांत शास्त्री ने मनोहारी भजनों की प्रस्तुतियों के बीच माँ नर्मदा तट स्थित तीर्थ स्थलों की महिमा बताते हुए कहा कि खरगोन जिले में अकुन और हथिनी नदी आगे चलकर माँ नर्मदा में मिलती है और इस स्थान को शूलपाणी के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि भगवान शिव का चित्त जब कैलाश पर्वत पर जब भी विचलित होता है वे इस लघु कैलाश पर आकर अपनी तपस्या और साधना करते हैं. यह भी पौराणिक मान्यता है कि भगवान गणेश का प्राकट्य भगवती नर्मदा के उबटन की सामग्री से हुआ है.

नेशनल लोक अदालत देपालपुर में 35 प्रकरणों में 18 लाख 96 हजार के अवार्ड पारित

इंदौर/देपालपुर. तहसील विधिक सेवा समिति एवं अधिवक्ता संघ देपालपुर के संयुक्त तत्वावधान में नेशनल लोक अदालत के शुभारंभ अवसर पर एक गरिमामय मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान के मुख्य आतिथ्य एवं अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अंतर सिंह मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित किया गया. इस अवसर पर तहसील देपालपुर क्षेत्र में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने नेशनल लोक अदालत के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल मुकदमों के निपटारे का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, आपसी समझौते और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का सशक्त मंच है. कार्यक्रम में वरिष्ठ न्यायाधीश रिजवाना कौसर, सुमित्रा ताहेड़, दिव्या श्रीवास्तव, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अंतर सिंह मौर्य, सहायक जेल अधीक्षक आर.एस. कुशवाह, एडीपीओ विशाल गुप्ता, ईशराम गड़रिया आदि उपस्थित रहे. संचालन अधिवक्ता चेतन हार्डिया एवं आभार सचिव दिनेश डोंड ने व्यक्त किया. नेशनल लोक अदालत में बैंको के 29 वसूली प्रकरणों में 31 लाख 51 हजार पांच सौ रूपये एवं नगर परिषद के जलकर एवं संपत्तिकर के 54 प्रकरणों में 2 लाख 53 हजार छह सौ रुपए एवं न्यायालयों के लंबित 35 प्रकरणों में 18 लाख 96 हजार आठ सौ रुपए के अवार्ड पारित किए गए.

नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह से 107 मामलों का हुआ निराकरण

इंदौर. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति विजय कुमार शुक्ला के आदेशानुसार म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया. नेशनल लोक अदालत के समक्ष सिविल (एम.ए.सी.टी.आदि), रिट, क्रिमिनल एवं अन्य प्रकृति के कुल 318 प्रकरणों को सुनवाई हेतु रखा गया था जिसमें से कुल 107 प्रकरण निराकृत किये जाकर लगभग राशि 47 लाख 53 हजार रुपये के अवार्ड पारित हुए, उक्त प्रकरणों के निराकरण से 587 पक्षकार लाभान्वित हुए.

इस वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के सभागार में प्रशासनिक न्यायाधिपति विजय कुमार शुक्ला, न्यायाधिपति जय कुमार पिल्लई एवं न्यायाधिपति आलोक अवस्थी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया. इस अवसर पर अनूप कुमार त्रिपाठी, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, नीरज मालवीय, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मनीष यादव ,अध्यक्ष, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, मनीष गढ़कर सचिव उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, खण्डपीठ के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता सुधा श्रीवास्तव, अधिवक्ता भुवन गौतम सहित अन्य अधिवक्तागण, बीमा कंपनियों के अधिकारीगण, उच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे.

एक नजर में

मध्य प्रदेश टैक्स कंसलटेंट एसोसिएशन ने 'मॉक ट्रिब्यूनल' का आयोजन किया

मूट कोर्ट से समझाते हैं वास्तविक अदालत की प्रक्रिया को

इंदौर. मध्य प्रदेश टैक्स कंसलटेंट एसोसिएशन ने 'मॉक ट्रिब्यूनल' का आयोजन किया. मध्य प्रदेश टैक्स कंसलटेंट एसोसिएशन के इंदौर जोन सेक्रेटरी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि मूट कोर्ट एक वास्तविक अदालत का अनुकरण करने जैसा ही होता है, जहां प्रोफेशनल्स को वास्तविक अदालत में होने वाली कार्यवाही को उसी रूप में एक मॉडल की तरह समझाया जाता है और वास्तविक अदालत की प्रक्रिया और उसकी गतिविधियों को सीखते हैं. इसमें पार्टियों के बीच एक काल्पनिक विवाद पर काल्पनिक सुनवाई और सबूत पेश किये जाते हैं, जिससे प्रोफेशनल्स को अदालतों की प्रक्रिया प्रयोगात्मक तरीके से समझ में आ सके.

संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सीनियर एडवोकेट सीए सुमित नेमा ने कहा कि मॉक ट्रिब्यूनल में किसी काल्पनिक, विशिष्ट वाद या विषय को चुना जाता है, और फिर उसी विषय में वाद विवाद होता है. कुछ प्रोफेशनल्स के द्वारा अधिवक्ता, वादी प्रतिवादी और साक्षी की भूमिका निभाई जाती है. प्रोफेशनल को सिविल केस में वाद पत्र तैयार करने, साक्षियों के परीक्षण एवं प्रतिपरीक्षण करने के साथ जिरह करने का भी अवसर होता है. मामलो में परिवाद और आरोप पत्र तैयार करने का ज्ञान प्राप्त होता है. न्यायालय के समक्ष बोलने में जो संकोच और डर मन में होता है, वह मूट कोर्ट के जरिये समाप्त हो जाता है. कार्यक्रम में सीए डॉ अभय शर्मा, सीए शैलेंद्र पोरवाल, सीए एस एन गोयल, सीए अतिशय खासगीवाला, सीए संतोष शर्मा, सीए प्रमोद तापड़िया, सीए शैलेंद्र पोरवाल, सीए जीबी अग्रवाल, आरएस गोयल सहित बड़ी संख्या में सीए एवं कर सलाहकार मौजूद थे.

प्रोटोकाल को किया प्रदर्शित

मध्य प्रदेश टैक्स कंसलटेंट एसोसिएशन के इंदौर जोन के अध्यक्ष सीए एसएन गोयल ने कहा कि मूट कोर्ट में दो सदस्यों को कोर्ट में आयकर विभाग का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि चार सदस्यों ने निर्धारिती/क्लाइंट के वकील के रूप में कार्य किया. उन्होंने कोर्ट प्रोसीडिंग्स के दौरान यह प्रदर्शित किया कि कोर्ट में कई प्रोटोकॉल को ध्यान में रखने की आवश्यकता होती है. इस अवसर पर जज की भूमिका एडवोकेट सीए मनोज मुंशी एवं एडवोकेट सीए आशीष गोयल थे. विभाग के तरफ़ से पैरवी सीए एडवोकेट हितेश चिमनानी और सीए अपूर्व जैन ने की. वहीं करदाता की ओर से सीए प्रणय गोयल, सीए हर्ष विजयवर्गीय, सीए शैली माहेश्वरी, सीए वीनस रावका, सीए दिव्या छात्रा और अंकुर गोयल ने पैरवी की. धन्यवाद अभिभाषण सीए कीर्ति जोशी ने दिया.